आज का किसान

Himanshu papnai

Pantnagar uttarakhand

किसान मात्र एक नाम नहीं बल्कि दूसरों के जीवन का अपने कर्तव्य की पहचान है। हमारे देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि किसी देश को आगे बढ़ाने के लिए किसान और जवान की सावधानी बहुत ज़रूरी है। जवान देश की रक्षा के लिए और किसान भोजन के लिए आवश्यक है।

लेकिन बड़ी दुख की विषय है कि हमारे देश का युवा वर्ग खेती से विमुख होता जा रहा है। युवाओं को किसान की मेहनत और उनके प्रति सम्मान का भाव रखना चाहिए। आज का युवा अधिकतर खेती को छोटा काम मानने लगा है।

लेकिन वह कभी नहीं सोचता कि धूप में काम करने वाला किसान कैसे काम कर रहा होगा। किसान हमेशा दूसरों के जीवन के लिए जिए — वह अपने भूखे कम खाए और दूसरों के लिए हमेशा सोचता है।

आज कृषि के भी क्षेत्र नए-नए बदलाव ला रहे हैं। नई तकनीक एवं शोध अपना योगदान दे रही हैं। भारतीय कृषि अनुसंधान नई-नई किस्में निकालकर अपना उपयोगी योगदान दे रहा है।

कृषि मात्र एक नाम नहीं बल्कि जीने की राह है। हमारे किसानों के कारण ही आज हम तक भोजन पहुँच रहा है। भारत में 28 राज्य और 8 केंद्रशासित प्रदेश हैं, हर राज्य अपनी किसी न किसी एक फसल के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

भारत में लगभग 70% लोग किसान हैं। भारतीय आबादी कृषि पर निर्भर है। कृषि ही जीवन का मुख्य माध्यम है।

भारत में नवाडा कृषि अनुसंधान केंद्र संस्थान द्वारा किसानों की आय बढ़ाने के लिए नए-नए शोध किए जा रहे हैं। कृषि के क्षेत्र में नए अध्याय लिखे जा रहे हैं।

नाबार्ड की स्थापना 1982 में हुई और कृषि अनुसंधान की स्थापना 1929 में भारत की पहली योजना के रूप में एक उत्कृष्ट प्रणाली दी गई। कृषि जगत में,

लेकिन आज का किसान तकनीकी का प्रयोग कर रहा है, जिससे उत्पादन बढ़ रहा है और भारत के किसान एक उच्च स्थिति प्राप्त कर रहे हैं

आज का किस विज्ञान को कृषि से जोड़ रहा है। आज के वक्त में कृषि के नए क्षेत्र ने किस में आ रही है और कृषि के क्षेत्र का उत्पादन बढ़ा रही है। आज कृषि के क्षेत्र में भारत विश्व में दूसरे नंबर पर चावल उत्पादित करने में और गेहूं उत्पादित करने में आता है। हरित क्रांति, श्वेत क्रांति जैसी क्रांति भारत का इतिहास बदल रही है।

आज का किस मिट्टी की गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए जैविक खेती कर रहा है और मिट्टी की गुणवत्ता को बढ़ा रहा है। भारत सरकार ने 2016 में परंपरागत कृषि योजना के तहत सिक्किम को पूर्ण जैविक राज्य का दर्जा दिया। आज का किसान मशरूम, मुर्गी पालन, मधुमक्खी पालन करके अपना घर चला रहा है। आज किस के कारण भारत में 230.58 मिलियन टन दूध का उत्पादन 2022-2023 हुआ था। भारत दूध

उत्पादन में विश्व में पहले नंबर पर आता है। यह हमारे लिए गर्व की बात है। चलिए किस का सम्मान करें और उनका धन्यवाद करें।

किसान वह व्यक्ति होता है जो कठिन परिश्रम से फसल उगाता है। जब लहराती हुई फसल को देखा है तो उसकी सारी थकान दूर हो जाती है। लेकिन जब किसान के खुद के खाने के लिए कुछ नहीं होता और फसल अच्छी नहीं होती तो उसका दुख आप या मैं नहीं समझ सकते। उसे मात्र एक किसान समझ सकता है। किस का जीवन कठिन परिश्रम से शुरू होता है। किसान हमारे लिए सब कुछ होता है और वह हमेशा दूसरों के प्रति अपना पूरा जीवन लगा देता है। लेकिन हम किस के लिए क्या करते हैं?

लेकिन जब किसान आत्महत्या करने को मजबूर हो जाए तो क्या कहा जाए? हमें किसानों को आदर्श भाव से देखना चाहिए और उनके जीवन से कुछ सीखना चाहिए। यदि आपको किस के जीवन को समझना है तो आप एक किस से पूछो और आपको एक किसान की समस्या के बारे में पता चलेगा।

जब सूखा पड़ जाता है तो किस सोचता है कि बारिश हो जाए और फसल खराब न हो। यही सोचता है एक किसान। और जब खाद लेने के लिए पैसे न हो तो पैसे कहां से लाऊं? यही सोचता है एक किसान। और जब वर्षा ज्यादा हो तो फसल खराब न हो, यही चिंता करता है किसान। और जब फसल में कीट आ जाए तो फसल को बचाने के लिए कीटनाशक कैसे खरीदूं, यही सोचता है किसान।

जब किसान कर्ज में डूब जाता है और अपने बच्चों को नहीं पढ़ा पाता तो उसके दुख को उसका परिवार ही समझता है और कोई नहीं समझता।

भारत एक कृषि प्रधान देश है। यहाँ आधी आबादी कृषि पर निर्भर है। भारत जो कृषि क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, आज चावल और गेहूं उत्पादित करने में, दूध उत्पादन में विश्व में अच्छे नंबर पर है। यह हमारे किसानों की मेहनत का फल है। भारत के दूसरे प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री जी ने कहा था कि किसान और जवान देश के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और यह सत्य भी है।

किसान के कारण साल 1966 में भारत में हरित क्रांति आई और देश को एक नई राह दिखाई। उत्पादन भी बढ़ा। आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है। भारत के कुल अर्थव्यवस्था में किस का भी हाथ है। यह हमारे लिए कर्मों का विषय है और यहां तक पहुंचाने के लिए किसानों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

भारत सरकार लगातार किसानों के प्रति नई-नई योजनाएँ निकालती रहती है—

परंपरागत कृषि योजना 2016 में,

प्रधानमंत्री सिंचाई योजना 2015 में,

किसान सम्मान निधि योजना 2019 में,

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना 2016 में।

भारत में किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की स्थापना भी की गई है। किसानों के लिए महत्वपूर्ण पूसा अनुसंधान जैसे कई विश्वविद्यालय छात्रों को कृषि में महत्व बता रहे हैं। सरकार के द्वारा कीटनाशक से फसल कैसे बचानी है, इसके बारे में भी ट्रेनिंग दी जा रही है। आज भारत सरकार किसानों के प्रति अपना योगदान दे रही है। भारत सरकार खेती के लिए किसानों को प्रेरित कर रही है ताकि मिट्टी की गुणवत्ता अच्छी हो सके।

मेहनत से सींच कर मिट्टी को

खेतों में रौनक भरकर

किसान ने खुद की कहानी लिखी

हर निवाले से रिश्ता उसका

मेरे घर में उसी से पोषक है।

जब वक्त ने साथ नहीं दिया

तो धैर्य से काम लिया

और घर-घर कहना पहुंचाया

खेतों को खुशहाल किया

और घर-घर में आ गई खुशहाली।

आज भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। कहीं न कहीं किसानों का इसमें योगदान है। आज भारत फसल बाहर विश्व में भेजता है और कृषि प्रधान देश में आता है। आज 18% सकल घरेलू उत्पादन में कृषि योगदान दे रही है।

आज प्राकृतिक कृषि को भारत सरकार किसानों तक पहुंचा रही है। प्राकृतिक कृषि को शून्य बजट कृषि भी कहते हैं। कृषि के क्षेत्र में मिट्टी की गुणवत्ता अच्छी हो रही है और फसल का उत्पादन भी अच्छा हो रहा है। प्राकृतिक कृषि किसानों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्राकृतिक खेती का इस्तेमाल करके आपको खाद का इस्तेमाल नहीं करना पड़ता और आपका पैसा बच जाता है।

भारत का पहला कृषि विश्वविद्यालय 1960 में पंतनगर विश्वविद्यालय की स्थापना की गई और इसने लगातार कृषि के क्षेत्र में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।